कार्यालय आयुक्त, तकनीकी शिक्षा मध्यप्रदेश

(म.प्र. शासन, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग)
पूर्व खण्ड, चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल 462004
दूरभाष 0755-2576751 ई-मेल आईडी ciemp.bpl@mp.gov.in, dte5.planning@mp.gov.in

क्रमांक/05/योजना/K-1/2024/ 258 /भोपाल दिनांक 24/6/2024

प्रति,

1. समस्त प्राचार्य,
शासकीय/स्वशासी / अनुदान प्राप्त इंजीनियरिंग/
पोलीटेकनिक महाविद्यालय,
महिला पोलीटेकनिक महाविद्यालय, एवं निजी संस्थायें,
मध्यप्रदेश

2. कुल सचिव,
यूटीआई, आर.जी.पी.व्ही.
गांधीनगर, भोपाल, मध्यप्रदेश।

विषय: "विद्या वन" तैयार किये जाने के संबंध में।

--00--

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के पत्र क्रमांक/877/2093151/2024/42-(1), दिनांक 13.06.2024 के साथ माननीय मंत्रीजी, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा म.प्र. की टीप क्रमांक:965, दिनांक 12.06.2024 संस्था परिसर में "विद्या वन" तैयार किये जाने के संबंध में प्राप्त हुई है(छायाप्रति संलग्न)।

अत: उपरोक्त पत्र में दिये गये निर्देशानुसार कार्यवाही सुनिश्चित कर, संचालनालय को सूचित करें।

संलग्न: उपरोक्तानुसार

(एस.ए.के. राव)
कार्यालय प्रमुख एवं संयुक्त संचालक
तकनीकी शिक्षा मध्यप्रदेश

पृ0क्रमांक/05/योजना/K-1/2023/ 259 /भोपाल दिनांक 24/6/ /2024

प्रतिलिपि :

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग की ओर उनके पत्र क्रमांक/877/2093151/2024/42-(1), दिनांक 13.06.2024 के संदर्भ में सूचनार्थ प्रेषित।

कार्यालय प्रमुख एवं संयुक्त संचालक
तकनीकी शिक्षा मध्यप्रदेश

दैनिक भास्कर
शाजापुर 21-12-2020

ग्रीन कैम्पस प्रभारी डॉ. तोमर ने खुद के खर्च पर एक साल में नए पॉलीटेक्निक कॉलेज की 3 हेक्टेयर बंजर भूमि को किया हरा भरा

मंडे पॉजिटिव

अब पौधों की सप्त ऋषि बनाने और औषधीय पौधे लगाने का लिया संकल्प, टायर और ईंटों से बनाई क्यारियां, 200 पौधे में खिले फूल

सचिन जैन | आगर-मालवा

उज्जैन रोड पर स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में ग्रीन कैम्पस प्रभारी डॉ. हितेंद्रसिंह तोमर ने स्वयं के व्यय से कॉलेज की 3 हेक्टेयर बंजर भूमि को एक साल की अथक मेहनत और लॉकडाउन में मिले समय का उपयोग कर हरा-भरा बना दिया है। अब यहां पौधों की सप्त ऋषि बनाने के साथ उनके द्वारा औषधीय मूलक पौधे लगाने का संकल्प भी लिया है। तोमर ने यहां गाड़ियों के टायर और ईंटों से न सिर्फ 25 क्यारियां बनाई, बल्कि उनमें पौधों का रोपण कर सिंचित भी किया। इससे अब यहां 200 से अधिक पौधों में फूल खिलने के साथ, 50 से अधिक गमले कॉलेज परिसर की शोभा बढ़ाते दिखाई दे रहे हैं। इससे परिसर में चहुंओर हरियाली नजर आने लगी है। यहां गुलमोहर, शीशम, अशोक, फाइकस, पाम, कदंब, जामुन, जामफल, आम, नीम, मेंहदी, बादाम, कटहल आदि सहित 100 किस्मों के पेड़-पौधे लगाए गए हैं।

कॉलेज में इस तरह की हरियाली। इनसेट इस तरह पौधों का संरक्षण कर किया सिंचित।

युवाओं को तकनीकी शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण की सीख

डॉ. तोमर द्वारा अपने इस प्रेरणादायी कार्य से पढ़ाई कर रहे युवाओं को तकनीकी शिक्षा के साथ यहां पर्यावरण संरक्षण की सीख भी मिल रही रही है। उनके द्वारा पर्यावरण संरक्षण के इस कार्य में डॉ. तोमर की मदद भी की जाने लगी है। इससे कॉलेज परिसर से लेकर बाहर खुले प्रांगण में भी गमले व पेड़-पौधों की भरमार दिखाई देने लगी है।

पौधों की सप्त ऋषि बनाएंगे, औषधीय पौधे भी लगाएंगे

डॉ. तोमर के इस कार्य से प्रेरणा लेते हुए यहां विद्यार्थियों सहित आउटसोर्सिंग कर्मचारियों शंकरलाल, गोविंद, अमित, रमेश, श्याम, विष्णु ने भी इस कार्य में उनका सहयोग करने के लिए बहुत जल्द कॉलेज में जो कुछ जगह खाली है, वहां पौधों की सप्त ऋषि बनाई जाने के साथ औषधीय पौधे लगाने का संकल्प भी लिया है।

डेढ़ वर्ष पूर्व ही मिली थी कॉलेज को बिल्डिंग

डेढ़ वर्ष पूर्व ही उज्जैन रोड पर 5 एकड़ भूमि पर बने नए पॉलीटेक्निक कॉलेज की बिल्डिंग को कॉलेज को सुपुर्दगी में दिया गया था, तब यहां हरियाली नाम मात्र की भी नहीं थी। बंजर भूमि होने के बावजूद यहां एक वर्ष में ही पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए यह प्रयास सराहनीय है।

डॉ. तोमर के प्रयास से यहां हरियाली छाई

कॉलेज परिसर को हरा-भरा करने के लिए डॉ. तोमर ने अथक मेहनत की है। उनके इस प्रयास से ही आज यहां हरियाली छाई है। उनकी प्रेरणा से स्टाफ और बच्चों ने भी अपना सहयोग दिया। आगे जनभागीदारी से और कार्य भी कराए जाएंगे।
जितेंद्र मोरे, प्रभारी प्राचार्य पॉलीटेक्निक कॉलेज आगर

हरियाली के लिए जनभागीदारी भी जरूरी

कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य जितेंद्र मोरे के मार्गदर्शन और जनभागीदारी से कॉलेज परिसर को हरा-भरा बनाया जा रहा है। इसमें विद्यार्थियों के साथ स्टाफ का भी सहयोग मिल रहा है। अब जल्द ही यहां पौधों की सप्त ऋषि बनाने के साथ औषधीय मूलक पौधे भी रोपे जाएंगे।
-डॉ. हितेंद्रसिंह तोमर, शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज ग्रीन कैम्पस प्रभारी

दैनिक भास्कर

शाजापुर 29-05-2023

आगर-मालवा• सुसनेर• नलखेड़ा

कॉलेज में औषधी मूलक 27 नक्षत्र, 12 राशि और 9 ग्रह के पौधे लगाकर तैयार किया जा रहा नक्षत्र गार्डन

जनभागीदारी से एक्युप्रेशर टाइल्स लगाकर तीन पार्थ-वे का भी किया गया निर्माण

भास्कर संवददाता | आगर मालवा

पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. हितेंद्र सिंह तोमर द्वारा कॉलेज परिसर में औषधी मूलक 27 नक्षत्र, 12 राशि और 9 ग्रह के पौधे लगाकर नक्षत्र गार्डन का निर्माण किया जा रहा है। इसमें जनभागीदारी से एक्युप्रेशर टाइल्स लगाकर तीन पार्थ-वे का भी निर्माण किया गया है।

तोमर द्वारा वहां पढ़ने आने वाले विद्यार्थी के साथ वहां होस्टल में रह रहे बच्चों और आमजन को पर्यावरण से जोड़ने और पर्यावरण में प्राकृतिक शुद्ध वायु मिले इसके लिए गार्डन का निर्माण किया जा रहा है। गार्डन में स्वयं के व्यय से तोमर ने पहले 9 ग्रह के पौधे लगाए उसके बाद 12 राशि और फिर 27 नक्षत्र के पौधे लगाए है। वहीं गार्डन में औषधी मूलक पौधों से निकली शुद्ध वायु प्राप्त करने के साथ वहां टहलने आने वालों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए एक्युप्रेशर टाइल्स लगाकर पार्थ-वे भी बनाया गया है ताकि वहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ आमजन को इसका लाभ मिल सके।

तोमर द्वारा निर्माण किए जा रहे नक्षत्र गार्डन में 27 नक्षत्र के औषधी मूलक कुचिला, आंवला, गुलर, जामुन, खेर, कालातेंदु, बॉस, पीपल, नाग केसर, बरगद, पलाश, पाकड़, रीठा, बेल, अर्जुन, कटाई, मौलश्री, चीड़, साल, जल पेतस, कटहल, आंकड़ा, छायोंकर, कदंब, आम, नीम और महुआ के पौधे लगाए गए है। वहीं 12 राशि के खैर, गूलर, अपामार्ग, खिरनी, आंकड़ा, दुर्वा, गूलर, अनंतमूल, पीपल, रामी, शमी और कुश के पौधे लगाने के साथ 9 ग्रह के कुश, आंकड़ा, पलाश, खैर, अपामार्ग, पीपल, गूलर, शमी, दुर्वा पौधे भी लगाए गए है।

पर्यावरण के प्रति कॉलेज के बच्चों में भी जागरूकता-

पर्यावरण के प्रति कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों में भी जागरूकता आए उसके लिए डॉ. तोमर बच्चों को गार्डन हरियाली और पौधे लगाने से मिलने वाले लाभ से अवगत कराने के साथ उनको प्रकृति से जोड़ने के लिए इस प्रकार के कार्यों में उनका सहयोग लेते हैं। यही कारण है कि कॉलेज के बच्चे भी पौधों को पानी देने, गड्ढा खोदने के साथ अपना योगदान देते आ रहे हैं।

नक्षत्र गार्डन का किया जा रहा निर्माण

औषधी मूलक नक्षत्र गार्डन तैयार किया जा रहा है

कॉलेज स्टाफ और विद्यार्थियों द्वारा सहयोग से कॉलेज परिसर में औषधी मूलक नक्षत्र गार्डन तैयार किया जा रहा है। गार्डन में एक्युप्रेशर टाइल्स के तीन पार्थ-वे का निर्माण भी किया गया है ताकि औषधी मूलक शुद्ध वायु के साथ यहां आने वाले को इसका भी लाभ मिल सके।

डॉ. हितेंद्र सिंह तोमर, प्राचार्य पॉलीटेक्निक कॉलेज, आगर